हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 23 : जौनपुर, मंगलवार 17 अक्टूबर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

भूपेश सरकार ने भ्रष्टाचार एवं साम्प्रदायिक राजनीति को बढ़ाने का किया काम-शाह

एजेन्सी

राजनांदगांव। गृह मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने एवं साम्प्रदायिक राजनीति को बढ़ाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उसने पिछले चुनावों में जनता से किए लोक लुभावन वादों को पूरा नही कर उनके साथ धोखा किया है। श्री शाह ने आज यहां पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा.रमन सिंह ने राजनांदगांव सीट से नामांकन कायर्क्रम के मौके पर आयोजित संकल्प महासभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा की 15 वर्षों की रमन सरकार ने राज्य के विकास को नई दिशा दी और चौमुखी विकास किया,लेकिन पिछले पांच वर्षों में भूपेश बघेल जी आपने क्या किया।इसका हिसाब किताब दीजिए, लेकिन यह आपके स्वभाव में नही है।आपने पांच वर्ष तो ताम्रध्वज साहू(गृह मंत्री)एवं राजा

साहब(उप मुख्यमंत्री जी.एस. सिंहदेव)का हिसाब करने में लगे रहे। उन्होने आरोप लगाया कि भूपेश सरकार ने पांच वर्षों में कांग्रेस के एटीएम के रूप में काम किया और भ्रष्टाचार के लिए पटवारी से लेकर मुख्यमंत्री तक एक चेन बना दिया।लोक सेवा आयोग की नियुक्तियों में घोटाला किया और जनता से 2018 में किए लोक लुभावन वादों को पूरा नही किया।उन्होने कथित शराब,कोयला परिवहन,प्रधानमंत्री अन्न तथा महादेव एप्प घोटाला करने का भी आरोप लगाया।श्री शाह ने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर भ्रष्टाचार करने वालों से पाई पाई की वसूली होंगी और उन्हे उल्टा लटका देंगे। श्री शाह ने अपने सम्बोधन में बेमेतरा जिले के गत अप्रैल माह में साम्प्रदायिक हिंसा में मारे गए भुवनेश्वर साहू के मामले का तीन बार उल्लेख कर और भाजपा द्वारा बेमेतरा जिले की साजा सीट से चुनाव मैदान में उतारे गए उसके पिता ईश्वर साहू के राजनांदगांव के मंच पर उपस्थिति से इस मामले को चुनावों में गरमाने का साफ संकेत दे दिया। वैसे तो मंच पर केवल अविभाजित राजनांदगांव जिले के ही पार्टी उम्मीदवारों को मौजूद रहना था,पर विशेष रूप से ईश्वर साहू मंच पर मौजूद थे।प्रत्याशी बनाए जाने से पूर्व उनका राजनीति से कोई वास्ता नही था। श्री शाह ने कहा कि भुवनेश्वर साहू के हत्यारों को अंजाम तक पहुंचायेंगे।उन्होने कहा कि भुवनेश्वर साहू की जिस तरह से रौद रौद कर हत्या हुई है वह शर्मनाक है। छत्तीसगढ़ एक बार फिर कौमी दंगों का केन्द्र नही बनना चाहिए।कांग्रेस अगर राज्य में दुबारा चुनकर आयेंगी तो साम्प्रदायिक राजनीति को बढ़ायेंगी।उन्होने मोदी सरकार की उपलब्धियों गिनाते हुए महिला आरक्षण,चन्द्रयान तथा जी 20 का भी जिक्र किया।श्री शाह ने कहा कि यूपीए ने 10 वर्षों के शासनकाल में छत्तीसगढ़ को विकास कार्यों और अद्योसंरचना विकास के लिए 77 हजार करोड दिए थे जबकि मोदी सरकार ने साढ़े नौ वर्षों में तीन लाख करोड़ से अधिक की राशि दी है। पूर्व मुख्यमंत्री डा.सिंह ने इस मौके पर श्री शाह के कश्मीर में धारा 370 हटाए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होने पूरी ताकत दिखा दी।उन्होने कहा कि राजनांदगांव ने उन्हे पहचान दी,मुख्यमंत्री के नाते 15 वर्ष तक उन्होने इस क्षेत्र का विकास किया।कांग्रेस ने पांच वर्षों में राजनांदगांव के साथ पक्षपात किया।कांग्रेस के सत्ता में आते ही यहां के सभी विकास कार्य रूक गए। उन्होने कहा कि कांग्रेस से बदला लेना है और उसे राजनांदगांव से ही नही बल्कि छत्तीसगढ़ से साफ करना है।संकल्प सभा को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरूण साव ने भी सम्बोधित किया।

कांग्रेस केवल लूट की गारंटी दे सकती है : नड्डा

एजेन्सी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को दावा किया कि विपक्षी दल केवल ''लूट की गारंटी दे सकता है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह भ्रष्टाचार के जरिए धन एकत्र करने की खातिर कर्नाटक को 'एटीएम में बदल रही है ताकि अपने चुनाव प्रचार के पैसे जुटा सके। नड्डा ने कर्नाटक में विभिन्न

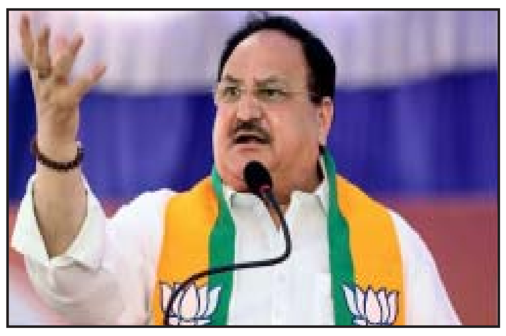

जांच एजेंसी की छापेमारी में कुछ ठेकेदारों के पास से 100 करोड़ रुपये से अधिक राशि कथित रूप से मिलने का हवाला देते हुए कहा कि यह शर्मनाक और मतदाताओं के साथ घिनौना मजाक है। नड्डा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर लिखा कि यह कांग्रेस के भ्रष्ट 'डी एन ए का महज एक छोटा सा नमूना है। उन्होंने कहा, ''सत्ता में आने के साथ ही कांग्रेस का भ्रष्टाचार कर्नाटक में सुरसा के मुख की तरह फैल चुका है। उन्होंने तत्कालीन भाजपा सरकार में ठेकेदारों को भारी कमीशन देने पर मजबूर किए जाने संबंधी आरोपों का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस समर्थित यही ठेकेदार कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के खिलाफ झूठ परोसने में सक्रिय थे। नड्डा ने कहा, ''यह कर्नाटक का दुर्भाग्य है कि कांग्रेस सरकार ने इसे धनशोधन, भ्रष्टाचार और आगामी चुनावों के लिए पैसे जुटाने का एटीएम बना दिया है। जाहिर है कि कांग्रेस जो गारंटी दे सकती है वह हमेशा भ्रष्टाचार की गारंटी है। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस और भ्रष्टाचार एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कांग्रेस सरकारों ने छत्तीसगढ़ और राजस्थान को भी भ्रष्टाचार का एटीएम बना दिया है और वह तेलंगाना एवं मध्यप्रदेश को भी ऐसा ही एटीएम बनाकर जनता की गाढ़ी कमाई लूटना चाहती है। नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस मध्यप्रदेश और तेलंगाना में सत्ता में आने के सपने इसलिए पाल रही है ताकि वह गरीबों के कल्याण और प्रदेश के विकास का पैसा लूट सके। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस केवल लूट की ही गारंटी दे सकती है। कांग्रेस चुनावों में विशिष्ट कल्याणकारी कदम उठाने की गारंटी देने का वादा कर रही है और इन्हीं चुनावी वादों की मदद से उसने कर्नाटक के चुनाव में सफलता हासिल की। नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी को वादे करने की कला में महारत हासिल है और अब यह पार्टी एक कदम आगे बढ़कर वादों के बदले में गारंटी देने लगी है। आयकर विभाग के अधिकारियों ने कर्नाटक में एक ठेकेदार, उसके बेटे, एक जिम प्रशिक्षक और एक वास्तुकार सहित कई लोगों से जुड़े परिसरों पर छापे मारकर बड़ी नकद राशि बरामद की है। भाजपा और कांग्रेस के बीच हाल में होने वाले विधानसभा चुनावों में कड़ा मुकाबला होने की संभावना हैं। दोनों दलों के बीच छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में सीधी टक्कर होने के आसार हैं। तेलंगाना में इन दोनों दलों के अलावा भारत राष्ट्र समिति भी मजबूत दावेदार है।

त्रिपुरा कांग्रेस ने की जाति आधारित जनगणना की मांग

एजेन्सी

अगरतला। त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को समाज के वंचित वर्गों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में जाति आधारित जनगणना की मांग की। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आशीष कुमार साहा ने कहा कि कांग्रेस ने रविवार को यहां पार्टी की अनुसूचित जाति (एससी)ध्अनुसूचित जनजाति (एसटी)ध्अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)ध अल्पसंख्यक इकाइयों की एक संयुक्त बैठक की और जमीनी स्तर पर गतिविधियों को पुनर्जीवित करने के लिए एक व्यापक योजना बनाई। श्री साहा ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ओबीसी समुदायों को लाभ प्रदान करने के लिए जाति जनगणना को तत्काल लागू करने की कांग्रेस की मांग को जानबूझ कर नजरअंदाज कर रही है।

जनता दरबार में सीएम नीतीश ने सुनी 117 लोगों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

एजेन्सी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज 4 देशरत्न मार्ग स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय परिसर में आयोजित जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में शामिल हुए। जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे 117 लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान के लिए समुचित कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में मुजफ्फरपुर जिले से आए मनोज कुमार ने फरियाद करते हुए कहा कि हम लोग जहां रहते हैं वो महादलित टोला है, वहां संपर्क पथ नहीं बन पाया है, इसका निर्माण कार्य शीघ्र शुरु कराया जाए ताकि हमलोगों का आवागमन आसान हो सके। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण कार्य विभाग को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। गया जिले से आए रंजीत कुमार ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि बिहार राज्य फसल योजना के तहत रबी फसल के लिए वर्ष 2020 में आवेदन किया था लेकिन अब तक सहायता राशि नहीं मिल पाई है। मुख्यमंत्री ने सहकारिता विभाग को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बांका जिले से आए राहुल कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री से निवेदन करते हुए कहा कि डीजल अनुदान वितरण में अनियमितता के कारण मुझे सहायता राशि नहीं मिली है, मेरे पंचायत के कुछ अन्य लोगों को भी इसका लाभ नहीं मिला है। मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सीतामढ़ी जिले से आए हरिनारायण पासवान ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के लिए सेलेक्शन होने के बाद भी मुझे इसका लाभ नहीं मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने उद्योग विभाग को जांचकर समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ऊर्जा सह योजना एवं विकास मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, जल संसाधन सह सूचना एवं जन सम्पर्क मंत्री संजय कुमार झा, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह, कृषि मंत्री कुमार सर्वजीत, सहकारिता मंत्री सुरेन्द्र प्रसाद यादव, भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री ललित कुमार यादव, लघु जल संसाधन मंत्री जयंत राज, पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री मो. आफाक आलम, पंचायती राज मंत्री मुरारी प्रसाद गौतम, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी,मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह तथा वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा उपस्थित थे।

जन समस्याओं का त्वरित गति से किया जाए निदान : केशव

एजेन्सी

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनता दर्शन में प्राप्त प्रकरणों का निस्तारण पूरी गम्भीरता व संवेदनशीलता के साथ करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को 7–कालीदास मार्ग स्थित अपने कैम्प कार्यालय पर विभिन्न जनपदों से आये लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुन रहे थे।उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक–एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से

संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा भटकना न पड़े और बार –बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांगजनो, बुजुर्गों की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए।जनता दर्शन में भूमि विवाद ,दुर्घटनाओं से संबंधित ,अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, स्कूल निर्माण, भूमि पट्टा, कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने,सड़क बनवाने, बिजली आदि से संबंधित समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। उप मुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे रू–ब–रू होकर सुना।जनता दर्शन मे 2 दर्जन से अधिक जिलों से कई सैकड़ा लोगों ने आकर अपनी समस्याएं रखी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समस्याओं के निस्तारण के बावत बागपत, कौशाम्बी, प्रतापगढ़,कानपुर, चन्दौली, हमीरपुर फर्रूखाबाद व बस्ती के जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा, कासगंज,हरदोई, फरुर्खाबाद, जालौन के पुलिस अधीक्षकलखनऊ व आगरा के पुलिस कमिश्नर के अलावा सम्बन्धित अधिकारियों व शासन के उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता की।

भाजपा को हराने सपा साथ आए : कमलनाथ

एजेन्सी

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की ओर से 144 प्रत्याशी घोषित किए जाने के अगले दिन आज पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि समाजवादी पार्टी भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए कांग्रेस के साथ आए। श्री कमलनाथ ने यहां कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में संवाददाताओं से चर्चा के दौरान कहा कि कल घोषित सूची में 65 उम्मीदवार 50 से कम उम्र के हैं और 19 महिलाएं हैं। लगभग चार हजार लोगों ने टिकट के लिए आवेदन दिए थे। सबसे चर्चा करके और राय लेकर नाम घोषित किए गए हैं। टिकट वितरण चुनौती थी। अगले 2 से 3 दिन में बाकी सीटें घोषित हो जाएंगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की आम आदमी पार्टी (आप) और समाजवादी पार्टी (सपा) से बातचीत हो रही है। केंद्र के इंडिया एलायंस के स्तर पर चर्चा चल रही है, पर उसका फोकस लोकसभा चुनाव पर है। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि सपा भाजपा को हराने में पार्टी का साथ दे। उन्होंने उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के संदर्भ में कहा कि उन्हें इस बात के लिए धन्यवाद कि उनका उद्देश्य भाजपा को हराना है। हालांकि दोनों दलों के बीच टिकट वितरण को लेकर उन्होंने कहा कि हमें स्थानीय स्थिति भी देखनी होती है।

देवरिया में अखिलेश यादव बोले, भाजपा कर रही जाति के नाम पर राजनीति

एजेन्सी

देवरिया। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सोमवार को देवरिया जिले के रुद्रपुर क्षेत्र के फतेहपुर गांव पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से कहा कि भाजपा की नियत साफ दिखाई दे रही है, यह लोग देश को बर्बाद करना चाहते हैं। यही हाल रहा तो लोग अपना वोट नहीं डाल पाएंगे। जिस तरह से यह घटना हुई है। उत्तर प्रदेश में कहीं और नहीं दिखी, घटना के प्रति आम जनमानस में आक्रोश है। सपा मुखिया ने कहा कि शासन और न्याय के लिहाज से यह बहुत ही महत्वपूर्ण है और जिस तरह की यह घटना हुई है, हम सभी लोग मिलकर इसकी निंदा करते हैं। ऐसी दर्दनाक घटना पूरे यूपी में कभी देखने को नहीं मिली। बुलडोजर चलाने के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि बुलडोजर जनता नहीं चलाने देगी। प्रेमचंद के घर पर अगर सरकार बुलडोजर चलाती है तो जिस तरह से सरकार अपनी जमीनों पर बने भवनों का मुआवजा लेती है, वैसे ही यहां अभी मुआवजे की व्यवस्था करे। सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति की बात करती है और यहां एक नहीं

दो–दो परिवारों के लोगों की जान चली गई। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है। मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि विकास दुबे की गाड़ी पलटी थी, वह भी ब्राह्मण थे। उनके परिवार को क्यों नहीं गले लगाया। इस घटना में शामिल छोटे–छोटे 20 कर्मचारियों पर प्रशासन ने कार्रवाई कर दी। लेकिन, बड़े अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हुई क्यों? निर्दोष लोगों को पुलिस ने घटना में फंसाया है। उन्होंने कहा कि प्रेम यादव को घर बुलाना, उसके बाद किसी धारदार हथियार से जान ले लेना। उसके बाद आसपास के क्षेत्र में यह बात फैल जाना कि उनकी हत्या हो गई और उसके बाद यह घटना हुई। मैं घटनास्थल पर गया हूंऔर देखा हूं। उस परिवार के रहने का मैं घर देखकर आया हूं, वो घर और यह घर जहां प्रेम का घर है। दोनों दूर हैं, आखिर किन परिस्थितियों में उन्हें वहां जाना पड़ा? क्या वजह थी कि वह सुबह–सुबह वहां पहुंच गए? बता दें कि अखिलेश यादव देवरिया के फतेहपुर गांव में हुए सामूहिक हत्याकांड में पहले सत्यप्रकाश दुबे के घर गए। वहां उन्होंने पहले नरसंहार में मारे गए दुबे परिवार के पांचों मृतकों के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वह घर के अंदर पहुंचे और वहां बिखरे सामान आदि को देखकर वह हैरान रह गए।

कावेरी विवादः कन्नड़ कार्यकर्ता जंतर-मंतर पर करेंगे विरोध प्रदर्शन

एजेन्सी

बेंगलुरु। कर्नाटक रक्षणा वेदिके के नेतृत्व में कन्नड़ संगठनों ने तमिलनाडु को कावेरी नदी का पानी छोड़े जाने की निंदा करते हुए सोमवार को श्दिल्ली चलो श कार्यक्रम का आह्वान किया। कार्यकर्ता 18 अक्टूबर को जंतर–मंतर पर धरना देंगे। कार्यकर्ता मंगलवार को ट्रेन और फ्लाइट से नयी दिल्ली आएंगे, जिसमें कर्नाटक रक्षणा वेदिके के अध्यक्ष नारायण गौड़ा बेंगलुरु से उनके साथ शामिल होंगे। दिल्ली कन्नड़ संघ नयी दिल्ली में जंतर–मंतर पर कन्नड़ कार्यकर्ताओं के साथ जुड़ेगा। कार्यकर्ताओं ने कावेरी विवाद में हस्तक्षेप के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी समय मांगा है। सूत्रों ने कहा कि नारायण गौड़ा और दिल्ली कन्नड़ संघ के अध्यक्ष नागराज 18 अक्टूबर को मोदी से मिलेंगे। वे केंद्रीय कोयला, खान और संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी से भी मिलेंगे। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ने कर्नाटक को 15 दिनों के लिए 3,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का आदेश दिया था।

बैटरी के लिए एक और प्रोत्साहन योजना लाने पर विचार : आर के सिंह

एजेन्सी

नयी दिल्ली। केंद्रीय बिजली मंत्री आर के सिंह ने सोमवार को कहा कि सरकार देश में बैटरी के लिए एक और उत्पादन–आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लाने पर विचार कर रही है। इसका मकसद बैटरी की लागत में कमी लाकर इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना है। सिंह ने यहां ओएमआई फाउंडेशन के श्ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) रेडी इंडिया डैशबोर्डश कार्यक्रम में कहा, ''हम भंडारण मात्रा या बैटरी संख्या बढ़ाने के लिए एक और पीएलआई योजना लेकर आ रहे हैं। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का भी दायित्व संभालने वाले सिंह ने कहा कि बैटरी की मात्रा बढ़ने के साथ भंडारण की कीमत में भी कमी आएगी। भंडारण की कीमत तभी कम होगी जब मात्रा बढ़ाएंगे। यही कारण है कि भंडारण के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना है। उन्होंने कहा कि उच्च लागत और ईवी के कम दूरी तक सफर कर पाने की क्षमता इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के रास्ते में कुछ प्रमुख मुद्दे हैं। सरकार ने मई 2021 में 18,100 करोड़ रुपए के अनुमानित व्यय के साथ उन्नत रसायन सेल (एसीसी) बैटरी के विनिर्माण के लिए पीएलआई योजना को मंजूरी दी थी। इसका उद्देश्य 45,000 करोड़ रुपए के विदेशी और घरेलू निवेश को आकर्षित करना था। इस योजना का मकसद बैटरी भंडारण के क्षेत्र में 50 हजार मेगावाट क्षमता सृजित करना है। मंत्री ने कहा, ''एक देश के रूप में हमारे लिए इलेक्ट्रिक परिवहन व्यवस्था को अपनाना काफी महत्वपूर्ण है। एक शक्ति (अर्थव्यवस्था) के रूप में उभरने की एक शर्त यह है कि आप ऊर्जा पर आश्रित नहीं हो सकते। यह इलेक्ट्रिक वाहन की ओर बढ़ने का हमारा प्राथमिक कारण है।श्श उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने से देश में कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। बिजली मंत्री ने कहा कि बैटरी में इस्तेमाल होने वाले लिथियम का 80 प्रतिशत संसाधन एक ही देश तक सीमित है और लिथियम का 88 प्रतिशत प्रसंस्करण भी एक ही देश में होता है। मंत्री ने कहा, ''हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास जम्मू में कुछ लिथियम भंडार हैं।श्श उन्होंने लिथियम से अन्य रसायनों वाली बैटरी की ओर स्थानांतरित होने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

सम्पादकीय

भूख की कसक

हाल ही में जारी किये ग्लोबल हंगर इंडेक्स–2023 के आंकड़े हमारे विकास और प्रगति के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाने वाले हैं। समतामूलक समाज की आकांक्षा में यदि देश अपने नागरिकों की भूख का समाधान नहीं कर पाता तो यह शोचनीय विषय है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स की हालिया रिपोर्ट में भारत को दुनिया के 125 देशों में 111वें स्थान पर रखा गया है। चिंता की बात यह है कि भूख का स्तर गंभीर श्रेणी का है। रिपोर्ट बताती है कि देश में बच्चों के कुपोषण का स्तर 18.7 फीसदी है। निस्संदेह, ऐसे हालात में देश के नीति–निर्माताओं को भूख व कुपोषण के निराकरण के लिये कारगर योजनाओं को तुरंत अमल में लाने की जरूरत है। हालांकि, जीएचआई की इस रिपोर्ट को खारिज करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने इस सर्वे की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाये हैं। साथ ही इसे दुर्भावना से प्रेरित व त्रुटिपूर्ण बताकर खारिज किया है। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण यानी एनएफएचएस की रिपोर्ट भी एक चिंताजनक स्थिति की ओर संकेत करती है। जो बताती है कि महाराष्ट्र में नवजात मृत्युदर और अविकसित बच्चों के अनुपात में काफी वृद्धि हुई है। एनएफएचएस–5 की रिपोर्ट कई चिंताजनक स्थितियों की ओर इशारा करती है। वैसे यह एक विरोधाभासी तथ्य है कि भारत की आबादी का एक बड़ा भाग न केवल खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर है बल्कि बची उपज का निर्यात भी करता है। जिसके चलते देश में कुपोषण व भूख से जुड़े ग्लोबल हंगर इंडेक्स के आंकड़ों की तार्किकता पर सवाल उठते हैं।

भारत को आज दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था कहा जा रहा है। तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि फिर कैसे कुपोषण व भूख के आंकड़ों में भारत को पाकिस्तान, बांग्लादेश नेपाल आदि से नीचे दर्शाया जा रहा है। वैसे, नीति आयोग के राष्ट्रीय गरीबी सूचकांक आंकड़ों के अनुसार ऐसी गरीबी में रहने वाले लोगों का प्रतिशत लगभग पंद्रह था। जुलाई में आयोग की एक रिपोर्ट से पता चला था कि 74 फीसदी लोग स्वस्थ मानकों का भोजन नहीं खरीद सकते हैं। निस्संदेह, बेहतर पोषण के लिये सभी की पौष्टिक भोजन तक पहुंच, स्वच्छ पानी और स्वच्छता की स्थितियां सुनिश्चित की जानी चाहिए। ऐसे में मौजूदा दर पर, भारत द्वारा सतत विकास मानकों के अनुरूप वर्ष 2030 तक भूख खत्म करने का लक्ष्य पूरा करना मुश्किल लगता है। सवाल यह भी उठता है कि देश की प्रगति का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक क्यों नहीं पहुंच पा रहा है। प्रगति के तमाम दावों के बावजूद भूख के ये आंकड़े क्यों परेशान कर रहे हैं। यह भी कि छलांग लगाते शेयर बाजार का कोई रिश्ता हमारी गरीबी दूर करने से है? देश में बढ़ती आर्थिक असमानता कालांतर कानून व्यवस्था के लिये चुनौती बन सकती है। नीति–नियंताओं को इस बात पर भी विचार करना होगा कि देश में आर्थिक असमानता निरंतर क्यों बढ़ रही है। यह एक गंभीर चुनौती है और समस्या का कारगर समाधान मांगती है।

गाजा की त्रासदी पर चुप्पी क्यों

ब्रिटेन के स्कॉटलैंड़ प्रांत के फर्स्ट मिनिस्टर (मुख्यमंत्री) हमजा यूसुफ की सास ने गाजा से अपना अलविदा संदेश जारी किया। उन्होंने अपने जीवन पर मंड़रा रहे खतरे के साथ ही गाजा के लाखों लोगों की त्रासदी का मार्मिक उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दुनिया इतनी =दयहीन और अमानवीय क्यों हो गई हैघ हमजा ने उनके (सास के) संक्षिप्त संदेश को अपने ट्विटर अकाइंट पर पोस्ट किया जिसे लाखों लोगों ने देखा। आश्चर्य की बात यह है कि ब्रिटेन के प्रमुख राजनेता के दुख दर्द में शामिल होने की प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने जहमत नहीं उठाई। यह प्रकरण गाजा त्रासदी के संबंध में दुनिया की चुप्पी को बयान करता है। अमेरिका और पश्चिमी देशों को गाजा के लाखों लोगों की पीड़घ से कोई लेनादृदेना नहीं है। उन्हें केवल इस बात की चिंता है कि गाजा में फंसे उनके देश के नागरिकों को कैसे निकाला जाए। उसके लिए उन्होंने इस्राइल पर दबाव बनाया हैँ जिसके कारण मिस्र तक एक पैसेज बनाने के लिए इस्राइल राजी हुआ है। इसी तरह का काम फिलिस्तीनी मरीजोॅ महिलाओं और बच्चों को वहां से निकालने के लिए भी किया जा सकता है। लेकिन यह अमेरिका और पश्चिमी देशों की प्राथमिकता में नहीं है। गाजा के २० लाख लोगों को जिस यातना से गुजरना पड़घ रहा है वह समदृसामयिक दुनिया का सबसे बड़घ मानवीय हादसा है। फिलिस्तीन के लोग ही नहीं बल्कि दुनिया का शांति प्रेमी समाज भी इसे पीढ़ि{यों तक याद रखेगा। इसकी अभिव्यक्ति आने वाले वर्षों में किसी भी रूप में हो सकती है। उग्रवादी संगठन हमास की आतंकवादी कार्रवाई का कोई भी समर्थन नहीं करता लेकिन एक छोटे से उग्रवादी समूह के लिए लाखों लोगों को दंडिघ्त नहीं किया जा सकता। इसे भी एक विडंघ्बना कहा जाएगा कि यह हैवानियत उस देश की ओर से की जा रही है जिसके लोगों को नाजी जर्मनी में गैस चेंबर और होलोकॉस्ट का सामना करना पड़घ था। पुराना दर्दनाक अनुभव दूसरों के दुख दर्द समझने का आधार बन सकता था। लगता है कि दुनिया में कुछ ऐसे लोग हैं जो इतिहास से केवल यही सबक लेते हैं कि त्रासदी को कैसे दोहराया जाएघ। दुनिया में जहां भी संघर्ष होता है तो आमतौर पर विभिन्न देशों की ओर से युद्धदृविराम की अपील की जाती है लेकिन यूक्रेन संघर्ष के बाद फिलिस्तीन प्रकरण ऐसे दो उदाहरण हैं जिनमें किसी ने युद्धदृविराम की सीधे अपील नहीं की है। इतना ही नहीं संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने भी युद्धदृविराम की कोई अपील नहीं की है। फिलिस्तीन के घटनाक्रम पर भारत का रुख संयम और संतुलन पर आधारित रहा है। यह जरूर है कि प्रधानमंत्री मोदी से यह अपेक्षा है कि वह भारत की नीति और देश की सांस्कृतिक विरासत का पालन करते हुए युद्धदृविराम की अपील करें और साथ ही फिलिस्तीनी अवाम को मानवीय सहायता मुहैया करें। हमास के आतंकवादी हमले के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी ने इस्राइल के साथ एकजुटता प्रदर्शित की। दशकों तक आतंकवाद का दंश झेलने वाले भारत के लिए यह स्वाभाविक था कि वह इस्राइल के साथ एकजुटता प्रदर्शित करे। आतंकवाद और मजहबी कट्टरता भारत के लिए इस्राइल की तरह की एक बड़ई चुनौती है। गौर करने वाली बात है कि अमेरिका और प. देश गाजा में इस्राइल में सैनिक अभियान का बिना शर्त समर्थन कर रहे हैं। यही देश अपने यहां भारत विरोधी और पृथक्कतावादी गुटों को पनाह देते हैं। कनाड़ा इसका हालिया उदाहरण हैघ। प्रधानमंत्री मोदी के प्रारंभिक बयान के बाद विदेश मंत्रालय ने अपनी विदेश नीति का खुलासा किया। प्रवक्ता ने भारत की इस पुरानी नीति को दोहराया कि वह कुछ क्षेत्र में इस्राइल और फिलिस्तीनॉ दो स्वतंत्र और संप्रभु देशों का समर्थक है। भारत इस्राइल की सुरक्षा के साथ ही फिलिस्तीन के लोगों के न्यायसंगत अधिकारों की रक्षा तथा इन दोनों देशों के शांतिपूर्ण सहदृअस्तित्व की वकालत करता रहा है। नरेन्द्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने फिलिस्तीन की यात्रा की। भारत फिलहाल जीदृ २० का अध्यक्ष है। ब्रिक्स का भी प्रभावशाली सदस्य देश है। इस हैसियत से भारत पर यह राजनैतिक और नैतिक जिम्मेदारी आती है कि वह फिलिस्तीन में खूनदृखराबे को रोकने के लिए पहल करे। प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन पर्याप्त नहीं है कि 'यह यह युग युद्ध का नहीं है। उन्हें यह भी कहना चाहिए वर्तमान युग रक्तपात का भी नहीं है। गाजा के २० लाख लोगों को जिस यातना से गुजरना पड़ रहा है वह समदृसामयिक दुनिया का सबसे बड़घ मानवीय हादसा है। फिलिस्तीन के लोग ही नहीं बल्कि दुनिया का शांति प्रेमी समाज भी इसे पीढ़ि{यों तक याद रखेगा।

इजराइल-फिलिस्तीन झगड़े में विश्वगुरु बनने की चाहत!

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच छिड़ी जंग से कट्टर हिन्दू और कट्टर मुसलमान दोनों बहुत खुश हैं। ऐसे हिन्दुओं को इस बात में मजा आ रहा है कि मुसलमान मारे जा रहे हैं और मुसलमानों को इस बात में कि उनके लोग यहूदियों को सबक सिखा रहे हैं। इन दोनों फिरकों को कतई ये बुरा नहीं लग रहा है कि आखिर कत्ल तो बेगुनाह इंसानों का ही हो रहा है। दिक्कत ये है कि हमास को आतंकवादी संगठन कहने पर मुसलमान नाराज हो जाते हैं और इजराइल को आक्रान्ता बताने पर हिंदूवादी। दोनों ही भूल जाते हैं कि युद्ध किसी चीज का समाधान नहीं है, बल्कि वह समस्याएं ही पैदा करता है और उन्हें बढ़ाता भी है। लगभग डेढ़ साल से चल रहे रूस–यूक्रेन युद्ध का अभी तक तो कोई नतीजा निकला नहीं है और न ही निकट भविष्य में ऐसा होता दिखाई देता है। इधर हिन्दूवादियों को इस युद्ध ने मुसलमानों के खिलाफ एक और कुतर्क दे दिया है जिसके मुताबिक मुसलमान अगर ये मानते हैं कि इजराइल ने उनकी जमीन हथिया ली है और वो उन्हें वापस मिलनी चाहिये तो फिर वे अयोध्या, काशी और मथुरा हिन्दुओं को वापस क्यों नहीं दे देते। राजनीतिक रूप से निरक्षर लोगों को यह बात सही लग सकती है लेकिन वास्तव में इजराइल–फिलिस्तीन मामले की

तुलना भारत के इन धर्मस्थलों से करना सिरे से गलत है। क्योंकि इनको लेकर विवाद थे नहीं, पैदा किये गये हैं और इनका निपटारा देश की अदालतें देर–सबेर कर ही देंगी। दूसरा– तमाम मतभेदों के बावजूद और कभी–कभार के तनाव या टकराव को छोड़ सभी धर्मों के मानने वाले शांति और भाईचारे के साथ इस देश में रहते आये हैं जबकि इजराइल ने फिलिस्तीनी आबादी को बहुत छोटे से इलाके में रहने को मजबूर कर रखा है और उस पर भी वह लगातार हमले करता रहता है। इस युद्ध के साथ कांग्रेस के खिलाफ भी दुष्प्रचार का नया सिलसिला चल निकला है। कांग्रेस ने पहले ही दिन निर्दोष इजराइली नागरिकों की हत्या पर गहरा दुरूख व्यक्त किया, उनकी भर्त्सना की और युद्धविराम की अपील भी की। लेकिन फिलिस्तीन के अधिकारों की बात करते ही उस पर हमास समर्थक होने का लेबल चस्पा कर दिया गया क्योंकि कांग्रेस ने हमास की निंदा नहीं की। एक झूठ यह भी फैलाया जा रहा है कि फिलिस्तीनी नेता यासिर अराफात एक आतंकवादी थे, जिन्हें इंदिरा और राजीव गांधी ने सर–आंखों पर बैठाया। इंदिरा गांधी ने मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए सबसे पहले फिलिस्तीन को मान्यता दी और अराफात को श्नेहरू शांति पुरस्कारश दिया, उन्हें एक करोड़ रुपये और सोने की ढाल भेंट की जबकि राजीव गांधी ने उन्हें इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय शांति पुरस्कार दिया। इतना ही नहीं, राजीव ने उन्हें दुनिया भर में घूमने के लिए बोइंग जहाज भी भेंट किया था। कहने की जरूरत नहीं कि बेसिर पैर की ऐसी बातें कहां और क्यों गढ़ी जाती है। दो और दो को पांच बनाने में माहिर भारतीय जनता पार्टी को बताना चाहिए कि अटल बिहारी वाजपेयी ने 1977 में रामलीला मैदान पर फिलिस्तीन के समर्थन में जो कहा था, उससे वह सहमत है या नहीं। उसकी नजर में हमास और फिलिस्तीन अगर एक ही हैं तो उसे साफ करना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फिलिस्तीन क्यों गए थे और क्यों उन्होंने वहां का सर्वोच्च नागरिक सम्मान स्वीकार किया, क्यों यासिर अराफात की कब्र पर उन्होंने फूल चढ़ाये। और अब विदेश मंत्रालय को यह कहने की जरूरत क्यों पड़ी कि भारत ने हमेशा से ही एक अलग और स्वतंत्र फिलिस्तीन राज्य का समर्थन किया है। साथ ही शांतिपूर्ण समाधान के लिए सीधी बातचीत की वकालत भी की है। क्या इजराइल के साथ खड़े होने का ट्वीट करने के चार दिन बाद सरकार को अहसास हुआ कि उसे तटस्थ रहना चाहिये?

मजे की बात है कि फिलिस्तीन पर सरकार की नीति को लेकर उससे पूछे गये सवालों पर जो सफाई भाजपा या सरकार को देनी थी, वह गोदी मीडिया ने दी कि भारत तो इजराइल और फिलिस्तीन के मामले में हमेशा से तटस्थ रहा है और मोदीजी ने फिलिस्तीन का नहीं, बल्कि फिलिस्तीन के चरमपंथी संगठन हमास और उसके हमले का विरोध किया है। इस तरह के हमलों के खिलाफ भारत की जो जीरो टॉलरेंस की नीति है, मोदीजी के नेतृत्व में भारत उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। अच्छा है यदि सचमुच ऐसा हो रहा हो, लेकिन इजराइल–फिलिस्तीन मामले में जब दूसरे तमाम देश प्रतिक्रिया देने के लिये सही समय का इंतजार कर रहे थे तब हमारी सरकार को किस बात की जल्दबाजी थी? क्या विश्वगुरु बनने की महत्वाकांक्षा इतनी प्रबल थी कि थोड़ी देर के लिये ही सही, हर कसौटी पर जांची–परखी हुई अपनी विदेश नीति को हमने दरकिनार कर दिया ?

पृथ्वी कितना झेलेगी अपना प्राकृतिक दोहन? विनाश की ओर बढ़ती पृथ्वी

संजीव ठाकुर

जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंधा दोहन होता रहा है। आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहाने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई–मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं। नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों मैं बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने ,महानगर बने ,मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली,पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधानों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए । महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा। भारत में परिस्थितियां बड़ी विषम है एक तरफ सोडियम लाइट से नहाती दिल्ली ,मुंबई ,बेंगलुरु की रंगीन सड़कें हैं, ऊंची ऊंची इमारतें हैं, तेज गति की मेट्रो है,वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लुफ्त उठाते हुए युवक युवतियां है, दूसरी तरफ पसीने से भीगा हुआ किसान हैं। कैरोसिन की चिमनी में बच्चों को कहानी सुनाती माताएं हैं। यानी कि

इतनी डिजिटल विषम बताएं भारत के अलावा विश्व के किसी भी कोने में नहीं है। भारत में विकास के नाम पर डिजिटलाइजेशन करने की आवश्यकता जरूर है पर गांव जंगलों नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के निरस्तीकरण और विनाश की कीमत पर नहीं। हमें यह साबित करना होगा कि भारत के विकास की हरित क्रांति के साथ–साथ डिजिटल इंडिया भी विकास की गति को बढ़ा रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत कि हरित क्रांति का विकास ही डिजिटल इंडिया का स्वप्न को भी पूरा करेगा। इसके लिए स्वच्छ साफ–सुथरे संसाधन जैसे जल, खनिज, यूरेनियम ,थोरियम नहीं होगा तब तक नाभिकीय रिएक्टर की भट्टीयां कैसे चलेंगी। किसी कवि ने कहा है, जो घर बनाओ तो एक पेड़ भी लगा लेना, पंछी सारे उपवन के चहचहा उठेंगे। विकास का जो भी रास्ता या नक्शा हम तैयार करेंगे निश्चित तौर पर वह मार्ग हरित क्रांति या हरित विकास से होकर गुजरेगा, जिससे हम अपनी 131 करोड़ जनसंख्या को स्वच्छ वातावरण दे पाएंगे और एक नए भारत की कल्पना को साकार कर पाएंगे।

मोदी सरकार ने नौकरशाही को दिया है सख्त संदेश

प्रधानमंत्री ने कहा था कि इन कुरीतियों की जड़ों पर प्रहार नहीं किया गया तो यह विकराल रूप ले सकता है। पीएम मोदी ने कहा था कि दुर्भाग्य से राजनीतिक क्षेत्र की इस बुराई ने देश की हर संस्था को पोषित कर दिया। मोदी ने लाल किले के प्राचीर से कहा था, भारत जैसे लोकतंत्र में जहां लोग गरीबी से जूझ रहे हैं। एक तरफ वे लोग हैं जिनके पास रहने के लिए जगह नहीं है, एक तरफ वो लोग हैं जिनको चोरी का माल रखने की जगह नहीं है। हमें भ्रष्टाचार के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ना है। केंद्र सरकार की इस कार्रवाई के साथ ही उत्तराखंड और मध्य प्रदेश की राज्य सरकारों ने भी अपने शासन के नकारा अफसरों पर कार्रवाई की। उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार ने कड़े कदम उठाते 600 अधिकारियों पर कार्रवाई की। इनमें 200 अधिकारी ऐसे हैं, जिन्हें जबरन रिटायरमेंट दे दिया गया। सर्वाधिक आश्चर्य तो यह है सरकार स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार और अकर्मण्यता के खिलाफ राज्यों में गैर भाजपा सरकारों ने कोई सख्त कार्रवाई नहीं कि जिससे अधिकारियों–कर्मचारियों में भय व्याप्त हो सके।

योगेन्द्र योगी

केंद्र की मोदी सरकार ने 1994 बैच की अरुणाचल प्रदेश सरकार में सेवारत आईएएस अधिकारी रिंकू दुग्गा को अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर दिया। पिछले साल मई में रिंकू दुग्गा और उनके पति, संजीव खिरवार का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वो कुत्ता घुमाते हुए नजर आ रहे थे। स्टेडियम में एथलीटों और कोचों को उस दिन अपना अभ्यास सत्र जल्दी खत्म करने और जगह खाली करने के लिए कहा गया था ताकि आईएएस दंपति अपने कुत्ते को घुमा सकें। केंद्र सरकार ने रिंकू दुग्गा को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देकर नौकरशाहों को संदेश दे दिया है कि जनता जनार्दन देश में सर्वोच्च है। इस मामले में किसी भी तरह की कोताही, लापरवाही और भ्रष्टाचार केंद्र सरकार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगी। कुत्ता टहलाने और एथलीटों को बाहर किए जाने के मामले की केंद्र सरकार ने रिंकू दुग्गा और उनके पति संजीव खिरवार के खिलाफ जांच कराई थी। इस रिपोर्ट से एथलीटों और जनता में भारी आक्रोश फैल गया था। इसके बाद दिल्ली सरकार में प्रमुख सचिव (राजस्व) के रूप में काम करने वाले संजीव खिरवार को लद्दाख में स्थानांतरित कर दिया गया था। वहीं दुग्गा को अरुणाचल प्रदेश में स्वदेशी मामलों के प्रमुख सचिव के रूप में तैनात किया गया था। इससे पहले भी केंद्र की भाजपा सरकार ने देशभर के सभी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को एक सख्त चेतावनी जारी की थी। कर्मचारियों को काम को लेकर सतर्क रहने और लापरवाही नहीं बरतने के आदेश दिए गए है। अगर ऐसा होता है तो रिटायरमेंट के बाद पेंशन व ग्रेच्युटी रोकने का निर्देश दिए गए। इस आदेश पर राज्य सरकारों से अपने स्तर पर फैसला लेने को कहा गया था। केंद्र में करीब दस साल पहले सत्ता में आने के बाद से मोदी सरकार ने सरकारी दफ्तरों में पसरी, लापरवाही, लालफीताशाही, भाई–भतीजावाद और भ्रष्टाचार के खिलाफ हुंकार भरी थी। केंद्र में सत्ता संभालने के साथ ही सरकार को पता चला था कि दिल्ली में आईएएस और कुछ अन्य अधिकारी कार्यालय के समय में गोल्फ खेलने चले जाते हैं। इस पर सरकार एक्शन में आ गई। सभी अधिकारियों को आगाह किया गया कि कार्यालय समय के दौरान कोई भी अधिकारी–कर्मचारी निजी कार्य से नहीं जा सकता। आईएएस अधिकारियों को ऐसी उम्मीद नहीं थी कि उनकी लगाम थामने वाला भी कोई हो सकता है। दरअसल पूर्ववर्ती केंद्र सरकारों ने नौकरशाही को मनमर्जी करने की छूट दे रखी थी। यही वजह रही कि अधिकारियों में हर तरह का दुस्साहस पैदा हो गया। अधिकारी नौकरी को निजी मिल्कियत समझ कर आम लोगों से अंग्रेजी शासन की तरह व्यवहार करने लगे थे। दूसरे शब्दों में कहें तो पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के मंत्री–नेताओं की शह पाकर नौकरशाही आम अवाम कि सिरमौर बन बैठी। केंद्र में सरकार के पलटते ही नौकरशाहों की हरकतों पर गहरी नजर रखी गई। मौजूदा केंद्र सरकार ने साफ संदेश दे दिया कि आम लोगों की कीमत पर कुछ भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सत्ता संभालने के बाद मोदी सरकार ने कठोर कार्रवाई करते हुए ग्रुप ए और ग्रुप बी स्तर के कुल 312 अफसरों को जबरन रिटायर कर दिया। सरकार ने ग्रुप ए के 36000 कर्मचारियों और ग्रुप बी के 82000 कर्मचारियों के काम का रिव्यू किया। इनमें से 312 अफसर नकारा मिले। इनमें ग्रुप ए के 125 अफसर और ग्रुप बी के 187 अफसर शामिल हैं। विभागीय स्तर पर कर्मचारी–अधिकारियों के कामकाज की समीक्षा के साथ केंद्र सरकार ने भ्रष्ट और नाकारा अफसरों को भी सबक सिखाने की ठान ली। सरकार ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को पूरी तरह से ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की छूट दी। केंद्र सरकार के कदम से कदम मिला कर सीबीआई ने अफसरों पर शिकंजा कसना शुरु कर दिया। सीबीआई ने 44 आईएएस और 12 आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज किए। पिछले छह साल में 3464 शिकायतें आईएएस अधिकारियों के खिलाफ वित्तीय और आपराधिक मामलों के तहत प्राप्त हुई हैं। अहम बात यह है कि शिकायतों के मामले हर साल बढ़ते गए हैं। मसलन जहां 2015–2016 में 380 आईएएस अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई। वह 2019–20 में करीब दोगुनी होकर 753 तक पहुंच गई। कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय द्वारा 10 मार्च 2021 को लोकसभा में दिए गए जवाब के अनुसार, वित्त वर्ष 2015–16 से फरवरी 2021 तक आईएएस अधिकारियों के खिलाफ वित्तीय और आपराधकि मामलों के तहत कुल 3464 शिकायतें प्राप्त हुई। सीबीआई के अनुसार इस अवधि में 44 आईएएस और 12 आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं। जबकि इस अविध में 43 आईएएस और 17 आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ केंद्र सरकार ने कार्रवाई की है। प्रतिष्ठित भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) से 27 वरिष्ठ अधिकारियों को जबरन सेवानिवृत्त करने के कुछ दिनों बाद सरकार ने सभी मंत्रालयों और सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पीएसयू) से समय से पहले सेवानिवृत्ति के लिए हर महीने अधिकारियों के नामों की सिफारिश करने को कहा। केंद्र सरकार के 104 कर्मचारियों पर साल 2021–22 में की गई कार्रवाई की। इनमें ग्रुप ए के सबसे अधिक 45 कर्मचारी हैं। केंद्र सरकार के लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला जारी रहा। ये कार्रवाई प्रदर्शन, हाजिरी और अनुशासनात्मक मामलों को लेकर की गई। सरकार ने मौजूदा साक्ष्यों के आधार पर भ्रष्ट अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की और उन्हें रिटायर कर दिया। यह कार्रवाई फंडामेंटल रूल्स (एफ आर) 56 (जे)(आई), सेंट्रल सिविल सर्विसेज (सीसीएस) पेंशन रूल्स 1972 और आल इंडिया सर्विसेज के संशोधित रूल 16(3) को ध्यान में रखकर की गई है। इसके तहत सरकार को अधिकार है कि वह किसी भी अफसर के काम का कुछ अंतराल पर रिव्यू कर सकती है और उन्हें प्रीमैच्योर रिटारमेंट दे सकती है। 7 अक्टूबर 2022 को इन नियमों में बदलाव किया गया है। सक्षम अधिकारियों को दोषी पाए जाने पर कर्मचारियों की पेंशन अथवा ग्रेच्युटी या फिर दोनों आंशिक या फिर पूर्ण रूप से रोकने का अधिकार शामिल किया गया। नौकरी के दौरान अगर इन कर्मचारियों के खिलाफ कोई विभागीय या न्यायिक कार्रवाई हुई तो इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को देना अनिवार्य किया गया। अगर कोई कर्मचारी रिटायर होने के बाद फिर से नियुक्त हुआ है तो उस पर यही नियम लागू होगा।

कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त कर देश और प्रदेश को माफिया और गुंडा मुक्त बनाया : नितिन अग्रवाल

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। गांधी मैदान में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में मुख्य अतिथि आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि यह बहुत बड़ा अवसर है जब मां दुर्गा के नौ रूपों को जब हम सब पूज रहे है, उसी समय हम सभी एक ऐसे उत्सव को मनाने के लिए एकत्रित हुए है जब देश के प्रधानमंत्री ने देश की नई संसद में सबसे पहला बिल महिला आरक्षण को पास कराकर किया। यह बहुत बड़ा अवसर है जहां मोदी योगी की सरकार में महिलाएं बेधड़क होकर घर से लेकर ऑफिस तक संभाल रही है। यह सब तभी संभव हो पाया जब कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त कर देश और प्रदेश को माफिया और गुंडा मुक्त बनाया।

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए 70 सालों में बहुत से प्रधानमंत्री आए और चले गए पर नारी शक्ति के लिए जो काम नरेंद्र मोदी ने किया वह आज नजीर बने हुए है। महिलाओं के बचत खातों खुलवाना, महिलाओं के नाम राशन कार्ड, महिलाओं के स्वास्थ्य का ख्याल रखते हुए उज्जवला योजना। प्रदेश की लाखों महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने विभिन्न योजनाओं के जरिए स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्वावलंबी बनाया। स्वतंत्र प्रभार मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि बेटा और बेटी में अब कोई अंतर नहीं रह गया। बेटी को दी गई शिक्षा कई पीढ़ियों को संस्कारवान बनाती है। सम्मेलन में भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि 2014 के पहले की सरकार को चलाने वाली महिला थी। इसके बावजूद वह महिलाओं को उनका हक नहीं दिला पाई क्योंकि उनकी सोच उनके अपने परिवार तक ही सीमित थी। बेटा बेटी और दामाद के हक के लिए देश में कानून बनते थे, आम महिलाओं के उत्थान की बात सिर्फ फोटोबाजी तक सीमित थी। 2014 के बाद बनी भाजपा सरकार के अगुआकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद की चौखट पर सर रखकर हर वर्ग, जाति, धर्म, युवा, महिला, बुजुर्ग, बच्चों के लिए जो वायदे किए थे उन्हें एक एक कर पूरा किया है ताकि सभी आत्मनिर्भर बन देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सके। आखिरकार जो काम कांग्रेस न कर सकी वाह काम भाजपा की नरेंद्र मोदी की सरकार ने किया। 70 साल बाद महिलाओं को उनका वाजिब हक मिल सका। क्षेत्रीय दल सपा बसपा हो या कांग्रेस, जब भी इन दलों की सरकार बनी सभी महिला सशक्तिकरण का नाम लेकर वोट तो ले लेती थी पर फायदा सीमित वर्ग को ही मिला पाता था। लेकिन 2014 से देश और 2017 से प्रदेश में बनी मोदी और योगी सरकार में यह दृश्य बदला और आज गांव की पंचायत हो या देश का संवैधानिक पद महिलाएं घर से लेकर देश का मान बढ़ा रही है। महिलाओं के लिए कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पुलिस में महिलाओं को उच्च पद पर तैनात किया। जिसका नतीजा है कि महिलाओं के प्रति होने वाले जुर्म में भारी कमी आई है।

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि 70 सालों से अपना हक पाने के लिए जिस कानून की राह देख रही थी, नारी शक्ति को महिला आरक्षण कानून बनाकर रक्षाबंधन का उपहार देने का काम हम सब के आदरणीय संरक्षक बड़े भाई स्वरूप नरेंद्र मोदी ने किया है।घर की चौखट के अंदर से लेकर बाहर की दुनिया तक हर जगह महिलाओं ने अपना डंका बजा रखा है।

गांव की पंचायत हो या देश की पंचायत महिलाओं अब किसी अधीन नहीं है बल्कि कंधे से कंधा मिलाकर अपने परिवार, अपना क्षेत्र और अपने देश के विकास में अपना योगदान दे रही है। सम्मेलन को वर्तिका सिंह प्रदेश कार्यसमिति सदस्य महिला मोर्चा, ममो जिलाध्यक्ष अलका गुप्ता, लक्ष्मी राजपूत क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य महिला मोर्चा,अनुराधा मिश्रा, रीना गुप्ता, बॉबी ओमर, पारिषा तिवारी, सुहाना जैन, विनिमा सिंह ने भी संबोधित किया।सम्मेलन की अध्यक्षता भाजपा नेत्री कीर्ति सिंह ने की। क्षेत्रीय महामंत्री अनुसूचित मोर्चा पीके वर्मा, अभियान के जिला संयोजक अनुराग मिश्रा, सम्मेलन के संयोजक सौरभ सिंह गौर, मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक, सहमीडिया प्रभारी परेश गुप्ता, नगर अध्यक्ष अजीत उपाध्याय, सत्यम शुक्ल, सोशल मीडिया संयोजक अनुराग श्रीवास्तव उपस्थिति रहे।

स्वदेशी एवं आत्मनिर्भर होना हर इंसान के लिए जरूरी - सत्येंद्र सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मोहम्मद हसन पी जी कॉलेज ,जौनपुर में ष्नवाचार, उद्यमिता एवम स्वरोजगारविषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी स्वावलम्बी भारत अभियान, स्वदेशी जागरण मंच एवम मोहम्मद हसन पी जी कॉलेज ,जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत समन्वयक श्री सत्येंद्र सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने उद्बोधन में कहा कि आज नौकरियों विशेषकर सरकारी नौकरियों की तरफ युवा दौड़ रहा है जबकि नौकरियों की संख्या सीमित है, ऐसे में उद्यमिता और स्वरोजगार ही विकल्प है।मुख्य वक्ता ने अनेक सफल स्टार्टअप का उदाहरण देते हुए युवाओं से उद्यमिता की तरफ बढ़ने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता के रूप में स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत युवा प्रमुख श्री विवेक कुमार ने सभा को स्वावलंबी भारत अभियान के उद्देश्य और कार्यशैली से परिचित कराया एवम स्वदेशी का उद्घोष कराया। कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता के रूप में मड़ियाहूं पी जी कॉलेज के डॉ. विवेक कुमार मिश्र ने सभा को नवाचार, उद्यमिता एवम स्वरोजगार की अर्थशास्त्रीय अवधारणाओं से परिचित कराया एवम स्वदेशी उत्पादों के प्रयोग का आह्वान किया । डॉ. मिश्र ने विभिन्न स्वदेशी कम्पनियों के उदाहरण देते हुए बताया कि हमे यह जानना चाहिए कि जिस कम्पनी का हम उत्पाद खरीद रहे हैं वह स्वदेधि है या नही । पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनोज कुमार पांडेय, ने सभा को संबोधित किया। डॉ. पांडेय ने अपने उद्बोधन में युवाओं से उद्यमिता को अपनाने की अपील की और कहा कि दुनिया के तमाम स्टार्टअप युवा अवस्था मे ही शुरू किए गए थे। जल्दी कमाना शुरू कीजिए और पढ़ाई के साथ कमाना शुरू कीजिए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने अपने अध्यक्षीय भाषण में उद्यमिता प्रोत्साहन कार्यक्रमो की आवश्यकता पर बल दिया। प्राचार्य ने वक्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि आज के समय की मांग है उद्यमिता एवम स्वरोजगार। श्री उद्देश्य सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भारत क्षमताओं से भरा हुआ देश है हम जो ठान लेते हैं उसे करके ही दम लेते है आज युवाओं का सबसे बड़ा शत्रु कोई है तो बेरोजगारी है हमे इसे हराना है। तिलकधारी पी जी कॉलेज के सहायक आचार्य डॉ प्रशांत त्रिवेदी ने विषय के राजनीतिक पक्षों को उजागर किया। इस अवसर पर प्रांत समन्वयक श्री सत्येंद्र सिंह ने स्वदेशी जागरण मंच जिला जौनपुर के स्वदेशी विचार प्रमुख के रूप में डॉ. विवेक कुमार मिश्र, जिला संयोजक के रूप में डॉ. प्रशांत त्रिवेदी एवम जिला युवा प्रमुख के रूप में आदित्य जायसवाल के नाम की घोषणा की। कार्यक्रम में मंच संचालन सहायक आचार्य डॉ. अब्बास खान ने किया। संगोष्ठी में डॉ जीवन यादव,डॉ ममता सिंह,डॉ नीलेश सिंह,डॉ प्रवीण यादव,एवंम बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

सोनेलाल पटेल की 15वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अपना दल एस पार्टी के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल की 15वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को जिला कार्यालय वाजिदपुर में जिलाध्यक्ष शिवनायक पटेल की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई ।मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सचिव पप्पू माली ने संस्थापक को पुष्पांजलि अर्पित करके विनम्र श्रद्धांजलि दी ।अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पार्टी के संस्थापक का जीवन देश के अति गरीब, जरूरतमंद ,दलितों, पिछड़ों ,अल्पसंख्यकों और कमजोर तबके के लोगों के उत्थान के प्रति हमेशा समर्पित रहा। राष्ट्रीय सचिव ने उन्हें गरीबों, शोषितों ,वंचितों और किसानों का मसीहा बताया ।उन्होंने कहा कि वह एक महान चिंतक,समाज सुधारक और राष्ट्र के सच्चे हितैषी महापुरुष थे। उन्होंने समाज के गिरे, दबे –कुचले लोगों के जीवन को हमेशा ऊंचा उठाने का काम किया। किसानों तथा नौजवानों के हित के लिए अपने आप को न्योछावर कर दिया। डॉ. सोनेलाल के तप–त्याग,समर्पण की बदौलत उत्तर प्रदेश में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में स्थापित है ।पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल संस्थापक के सपने को साकार कर रही हैं ।शोषित वर्ग की आवाज को मजबूती से उठाकर लोकतंत्र को सशक्त बनाने का कार्य कर रही हैं।

जिलाध्यक्ष ने बताया कि संस्थापक की विचारधारा को आत्मसात करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि पार्टी को प्रथम स्थान पर लाने के लिए कार्यकर्ता और पदाधिकारी दृढ़ संकल्पित हैं। संचालन व्यापार मंच के जिलाध्यक्ष अनिल जायसवाल ने किया । इस अवसर पर जयप्रकाश पटेल, संजय निषाद, मानसिंह पटेल, मनोज पटेल, संतोष बेन बंसी ,राकेश पाठक, संजय यादव ,मंगला प्रसाद गौतम, तारकनाथ मौर्य आदि उपस्थित रहे।

लविवि को मिला क्ले सिरेमिक आधारित सेंसर पर पेटेंट

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग को फ्लाई ऐश डोप्ड क्ले सिरामिक नैनो कंपोजिट आधारित सेंसर पर भारतीय पेटेंट मिला है। भौतिक विज्ञान विभाग (एडवांस्ड ग्लास एंड ग्लास सेरेमिक्स रिसर्च लेबोरेटरी) के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सी आर गौतम के निर्देशन से सेंसर के निर्माण पर कार्य किया गया। जिसका निर्माण मिट्टी और अन्य प्राकृतिक और हल्के रासायनिक पदार्थों का मिश्रण करके किया गया है। डा. सीआर गौतम इस सेंसर के निर्माण प्रक्रिया के बारे में बताया वर्तमान में कार्बन डाइऑक्साइड वायुमंडल को अत्यधिक प्रभावित कर रहा है।

संगत पंगत की कमेटी भंग

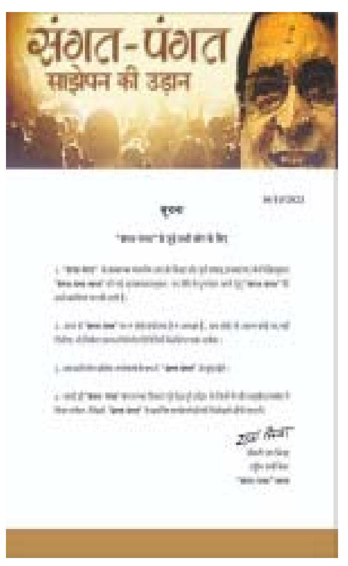

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नई दिल्ली – देश की अग्रणी सामाजिक संगठन संगत पंगत भारत की सभी कमेटीया भंग कर दी गई हैं। संगत पंगत की राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती रत्ना सिन्हा जी के पत्र के अनुसार संगत पंगत के संस्थापक आर के सिन्हा जी पूर्व सांसद जी के निर्देश पर संगत पंगत संगठन को विस्तार करने के लिए पुनर्गठन हेतु वर्तमान की सभी कमेटी भंग कर दिया गया है अब न कोई संयोजक हैं न कोई जिलाध्यक्ष न ही कोई पदाधिकारी,अब सभी संगत पंगत से जुड़े लोग कार्यकर्ता के रूप में कार्य करेंगे।

संगत पंगत की राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती रत्ना सिन्हा जी के अनुसार शीघ्र ही पूरे देश में प्रदेश में जिलों में तहसीलो में ब्लॉकों में संगत पंगत की मजबूती के लिए नई टीम की घोषणा होगी जो संगत पंगत को एक नई ऊर्जा प्रदान करेगी जो समाजहित के लिए कार्य करेगी। संगत पंगत के वरिष्ठ कार्यकर्ता राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व का जो भी आदेश होगा हम सभी संगत पंगत के कार्यकर्ता उसे पूरा करेंगे और कार्यकर्ता के रूप में हम लोग समाजहित में कार्य करते रहेंगे।

75 साल बाद पता चला कि यहूदियों का असली गुलाम कौन?

संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मोहम्मद अफाक ने अपने बयान में कहा कि हमें 75 वर्षों से बताया और पढ़ा गया है कि फिलिस्तीन पर यहूदियों का कब्जा है, जबकि बाकी इस्लामिक देश आजाद हैं। लेकिन अब पता चला कि केवल फिलिस्तीनी ही आजाद हैं और बाकी इस्लामिक देशों पर यहूदियों का कब्जा है। इसलिए आज तक इस्लामिक देश यहूदियों के खिलाफ खुलकर सामने आने से बचते रहे हैं और कभी भी फिलिस्तीनियों का खुलकर समर्थन नहीं किया है।

पूरे दिन लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र संघ बहाल करो के नारे लगते रहे : शिवम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में लखनऊ विश्वविद्यालय छात्रसंघ बहाली मोर्चा के नेतृत्व में छात्रसंघ बहाली के लिए 190 दिन से चल रहे आंदोलन के क्रम में अनिश्चितकालीन धरने के दूसरे दिन भी विश्वविद्यालय में गहमागहमी का माहौल रहा। पूरे दिन विश्वविद्यालय प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के साथ छात्रों की नोकझोंक होती रही। छात्र विगत दिन से लगातार धरने पर बैठे हुए हैं। कल शाम भी विश्वविद्यालय प्रशासन ने पुलिस प्रशासन के माध्यम से रात में छात्रों को धरने स्थल से उठाने का प्रयास किया परंतु छात्रों के आक्रामक रुख एवं लगातार बढती हुई संख्या को देखते हुए पुलिस प्रशासन को खाली हाथ लौटने को मजबूर होना पड़ा। छात्र पूरी रात बरसात के बीच लगातार धरने स्थल पर बैठे रहे। सुबह होते ही पुनः विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से बात करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल पहुंचा परंतु छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोई स्पष्ट जवाब न मिलने पर छात्र संतुष्ट नहीं हुए एवं आंदोलन स्थल पर ही बैठे रहे इस बीच पुनः पुलिस फोर्स ने जबरन छात्रों को उठाने का प्रयास हल्के बल प्रयोग के माध्यम से करना चाहा परंतु छात्रों की बढ़ती संख्या देख एक बार पुनः छात्रों को उन्हें छोड़ना पड़ा। पूरे दिन विश्वविद्यालय में छात्र संघ बहाल करो के नारे लगते रहे। दोपहर के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त महाविद्यालय के छात्रों का इस आंदोलन के समर्थन में आना प्रारंभ हो गया। इस क्रम में शिया पी जी कालेज, के के सी महाविद्यालय, कालीचरण पी जी कालेज के छात्रों का भी जमावड़ा आना शुरू हो गया। इस संयुक्त प्रदर्शन में लगभग सभी छात्र संगठन के छात्र अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं स इस अवसर पर छात्रों में विन्ध्यवासिनी शुक्ल, अमन दुबे, शिवम सिंह सम्राट, शिवा यादव, विपुल यादव , प्रभात सिंह साकेत, प्रदीप कुमार मौर्य, अनिवेश सिंह, विराट पांडे, प्रिंस, अक्षय प्रधान सहित सैकड़ों छात्र उपस्थित रहे।

श्री सुन्दरकाण्ड पाठ व जगत जननी मां चन्द्रिका देवी के प्रांगण में भव्य भण्डारे का आयोजन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी, लखनऊ द्वारा सीतापुर , रोड स्थित 'मां चन्द्रिका देवी मंदिर' के श्री पंचमुखी हनुमान जी मन्दिर में अनुष्ठान भाग –26 के अन्तर्गत श्री सुन्दरकाण्ड पाठ का भव्यता से आयोजन किया गया। सुन्दरकाण्ड पाठ का संचालन एवं सुन्दरकाण्ड पाठ के पूर्व पूजन डॉ. सपन अस्थाना, अधिष्ठाता (शैक्षणिक), महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी, लखनऊ के द्वारा विधिवत् किया गया, तत्पश्चात सुन्दरकाण्ड पाठ किया गया।

सुन्दरकाण्ड पाठ होने के पश्चात मां चन्द्रिका देवी मंदिर में माता जी की विधिवत् पूजा –अर्चना कर प्रसाद का भोग लगाकर मन्दिर के प्रांगण से ही प्रसाद स्वरूप चना–हलवा का भण्डारा आयोजित किया गया। महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी, लखनऊ के कुलाधिपति– अजय प्रकाश श्रीवास्तव, कुलपति– प्रो. भानू प्रताप सिंह, कुलसचिव– प्रो. अखण्ड प्रताप सिंह, वित्त अधिकारी– वरुण श्रीवास्तव ने सभी को बधाई प्रेषित की। इस अनुष्ठान में गिरीश छिमवाल, डिप्टी रजिस्ट्रार, राजेश सिंह, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं रश्मि राकेश, असिस्टेंट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट ने अपना सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर अभिषेक कुमार सिंह, बच्चन, रामाधार एवं संदीप सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया नियंत्रण कक्ष का किया उद्घाटन

श्री दुर्गापूजा महासमिति के 45 वे नियंत्रण कक्ष का उद्घाटन सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। श्री दुर्गा पूजा महा समिति जौनपुर कोतवाली चौराहा स्थित 45 वे नियंत्रण कक्ष का उद्घाटन सोमवार देर शाम मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अनुज कुमार झा व विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अजय पाल शर्मा द्वारा किया गया। अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम कन्ट्रोल रूप का फीता काटते हुए संयुक्त रूप से माँ के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कंट्रोल रूम का विधिवत उद्घाटन किया गया। सर्वप्रथम अतिथियों का बैच लगाकर सम्मान किया गया तदुपरांत महासमिति के अध्यक्ष अनिल स्थान महासचिव राहुल पाठक एडवोकेट व सम्मनित पदाधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि व संरक्षकों का माल्यार्पण व बुके देकर स्वागत किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने कहा कि शक्ति की आराधना ही दुर्गापूजा का मूल तत्व है दुर्गापूजा सदैव आसुरी शक्तियों से लड़कर सकारात्मक दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देती है।

इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा ने कहा कि आप सभी दुर्गा पूजा करें लेकिन इस बात का ध्यान रहे की मेले का हर व्यक्ति कहीं ना कहीं हमारे आपके परिवार का है उसके सम्मान और उसकी सुरक्षा की प्रथम जिम्मेदारी हमारी होती है पुलिस आपकी सेवा के लिए सदैव तत्पर पर रहेगी।

श्री दुर्गा पूजा महासमिति के अध्यक्ष अनिल अस्थाना ने कार्यक्रम में उपस्थित समस्त प्रशासनिक अधिकारियों नगर के कोने–कोने से आई समितियां के पदाधिकारी व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों का मंच के माध्यम से स्वागत किया। निर्णायक मंडल के सदस्यों को जिलाधिकारी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या में भोजपुरी गायक रविंद्र सिंह ज्योति चिंटू सरगम मनोज कोमल ने भक्तिमय देवी गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को मंत्र मुक्त कर दिया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक विनोद जायसवाल सोभनाथ आर्य विंध्याचल सिंह को महासमिति रत्न से सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में महासमिति के संरक्षक विशिष्ट सदस्य व प्रबंध कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारी व्यापार मंडल के विवेक सिंह विश्व हिंदू परिषद से विमल सिंह गुरु सिंह सभा से सरदार मनमोहन सिंह गणपति पूजा महासमिति से संजय जाड़वानी, मरकाजी सीरत कमेटी से मुन्ने राजा व नगर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से पदाधिकारी गण जिला प्रशासन से एडीएम पी आर के चौहान सिटी मजिस्ट्रेट जल राजन चौधरी सीओ सिटी कुलदीप कुमार नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी पवन कुमार आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रूप से मनीष गुप्ता व हर्षित गुप्ता ने किया ।धन्यवाद ज्ञापन महासचिव राहुल पाठक ने किया।

इस मौके पर समिति की संरक्षक शोभ नाथ आर्य , विनोद जायसवाल, श्रीकांत महेश्वरी विंध्याचल सिंह, संतोष सिंह, महेंद्र देव विक्रम राधे कृष्ण ओझा ,शशांक सिंह रानू मोतीलाल यादव विजय सिंह बागी ,मो शाहिद अवनींद्र तिवारी ,चंद्र शेखर गुप्ता, संजय विश्वकर्मा करन बिंद पंचम मौर्य आदि लोग उपस्थित रहे ।उक्त जानकारी महासमिति के मीडिया प्रभारी विश्व प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा दिया गया।

फीनिक्स वेडिंग फेस्टिवल में 31 अक्टूबर तक खरीदारी करें और जीतें 2 लाख रुपये तक का स्टेकेशन और मर्चेंडाइज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अगर आप इस शादी के मौसम के लिए बेहतरीन शॉपिंग ऑफर ढूंढ रहे हैं, तो फीनिक्स पलासियो लखनऊ इस महीने फीनिक्स वेडिंग फेस्टिवल के साथ एक कॉम्प्लीमेंट्री छुट्टियां बिताने का अवसर जीतने का मौका देकर आपकी खरीदारी को खास बना रहा है। फीनिक्स पलासियो मॉल 31 अक्टूबर तक श्फीनिक्स वेडिंग फेस्टिवलश मना रहा है, जिसमें पोहर, केसी सूट्स, मोहनलाल संस, हाउस ऑफ पटौदी, सिंध, सौंध, सोच जैसे कई अन्य स्टोर शामिल हैं।

इस वेडिंग फेस्टिवल में 2 लाख रुपये से अधिक की खरीद करने वाले खरीदारों को देश के भीतर एक कपल स्टेकेशन यानि छुट्टियां बिताने का ऑफर जीतने का अवसर मिलेगा। 1 लाख रुपये से अधिक की शादी की पोशाकें खरीदने वाले लोगों के लिए 2 लाख रुपये का मर्चेंडाइज जीतने का मौका है।

फीनिक्स मिल्स लिमिटेड के सीनियर सेंटर डायरेक्टर श्री संजीव सरीन ने कहा, ष15 अक्टूबर से शुरू होने वाले फेस्टिव सीजन से पहले, हम अपने शॉपर्स के लिए शादी की खरीदारी पूरी करने के लिए विशेष ऑफर शुरू कर रहे हैं। आकर्षक डील निश्चित रूप से शॉपिंग के सुखद अनुभव में कॉम्प्लीमेंट्री स्टेकेशन पर जाने का मौका देकर और वृद्धि करेगी।

मेरी माटी-मेरा देश, माटी को नमन,वीरों का वंदन एक महायज्ञ है : अम्बरीष

हरदोई। नगर पालिका परिषद, शाहाबाद के प्रांगण में आयोजित मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में शिरकत करने के दौरान नगर पालिका परिषद की स्वच्छता समिति के वरिष्ठ सदस्य अम्बरीष कुमार सक्सेना ने कहा कि देश के अमृतकाल में माटी का वंदन अभियान एक सार्थक और बेहद आवश्यक मुहिम है। कहा कि भारत के इतिहास पर अगर नजर डालें तो इस धरती माता की रक्षा के लिए हर काल में लाखों–लाखों लोगों ने अपना बलिदान दिया है, तब जाकर भारत माता आज एक हजार साल की गुलामी के बाद भी अपनी भारतीय संस्कृति को समेटे हुए जीवित हैं। भारत वो देश है, जहां बलिदानियों की पूजा हुई है, जहां इस धरती माता के लिए मर मिटने वालों के सदा–सदा मेले लगते हैं और इस ध रती का सम्मान न करने वालों को भारत का समाज कभी श्रद्धा की दृ ष्टि से नहीं देखता। महाराणा प्रताप आज इसलिए पूजनीय है क्योंकि उन्होंनें गुलामी को स्वीकार नहीं किया और भारत माता की रक्षा के लिए सर्वस्व न्योछावर किया। गुरू गोविन्द सिंह जी इसलिए पूजनीय हैं क्योकि उन्होनें धर्म की रक्षा के लिए विश्व का सबसे बड़ा बलिदान पिता का बलिदान, स्वयं का बलिदान, चारों पुत्रों का बलिदान कर दिया। सरदार भगत सिंह, राजगुरू, चंद्रशेखर आजाद, बटुकेश्वर दत्त, अशफाक उल्ला खां, स्वतंत्र वीर सावरकर, नेता जी सुभाष चंद्र बोस, लाला लाजपतराय, रानी लक्ष्मीबाई, तांत्या टोपे, कृष्णदेव राय, छत्रसाल, रानी गाइडिल्यू, बिरसा मुंडा जैसे हजारों बलिदानियों के नाम लिए जा सकते हैं जिन्होनें इस माटी की सौगंध खाकर अपना सर्वस्व न्योछावर करते हुए देश की रक्षा की।

उन्होंने कहा कि अमृतकाल की बेला में जब देश ने यह संकल्प लिया कि हमें भारत माता का खोया हुआ गौरव पुर्नस्थापित करना है और भारत को विश्व की महाशक्ति के रूप में खड़ा करना है, ऐसे समय पर माटी का वंदन समय की आवश्यकता है। देश का प्रत्येक व्यक्ति भारत माता के प्रति, भारत की माटी के प्रति अपनी श्रद्धा, अपनी भावना को अर्पित करे। वो एक चुटकी माटी करोड़ों–करोड़ों परिवारों से एकत्र होती हुई दिल्ली पहुंचे और वहां पर भावनाओं से ओत–प्रोत उस माटी से ''अमृतवन'' का निर्माण हो और एक देशभक्ति का ज्वारभाटा पूरे देश में फैले। बताया कि विकसित भारत का संकल्प। गुलामी की मानसिकता से मुक्ति। हमारी विरासत पर गर्व। एकता और एकजुटता। नागरिकों का कर्तव्य।ये पांच प्राण मेरे देश को नई दिशा देंगे। विगत 75 सालों में मेरा देश बहुत आगे बढ़ा है परन्तु यह नाकाफी है। हमें देश के प्रत्येक नागरिक को आगे बढ़ाना है। एक हजार साल की गुलामी की मानसिकता को छोड़ते हुए हमारी सांस्कृतिक धरोहर पर विश्वास पैदा करना है। हम सबको एक सूत्र में बंध ाकर कर्तव्य परायणता के साथ राष्ट्र निर्माण में जुट जाना है। यदि हम चिंतन करें तो यह पहला अवसर नहीं है जब देश के कोने–कोने से श्रद्धा के रूप में कोई वस्तु लेकर देश की एकता, एकात्मता की दृष्टि से महायज्ञ सम्पन्न न हुए हों। पूर्व के समय में देश में होने वाले महाकुंभ इसी का संकेतक रहे हैं। हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक लाखों लोग महाकुंभ में श्रद्धापूर्वक उज्जैनध कुरूक्षेत्रध्हरिद्वारध्काशी में एकत्र हुआ करते थे और वहीं से विसर्जित होकर देश के कोने–कोने में राष्ट्रवाद भारतीय संस्कृति का संदेश पहुंचाया करते थे। आज मेरी माटी–मेरा देश, माटी का वंदन रूपी एक महायज्ञ है।देश का प्रत्येक नागरिक इस महायज्ञ का हिस्सा बने, ऐसी देश की अपेक्षा है। इस अभियान के दौरान सभी गांवों में आजादी के सेनानायकों, सीमाओं पर देश की रक्षा करने वाले देशभक्त बलिदानियों के शिलापटल लगाए गए हैं। इस प्रकार स्वतंत्रता सेनानियों, सेना के वीर जवानों की शहादत को प्रणाम करते हुए देशभक्ति का भाव जन–जन में जागृत करने का महायज्ञ देशभर में चल रहा है। इस अवसर पर उच्च शिक्षा राज्य मंत्री के जनसंपर्क कार्यालय प्रभारी सुभाष रस्तोगी, राजस्व निरीक्षक अनस खां, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक दीपक कुमार,वरिष्ठ पालिका सभासद लक्ष्मीकांत त्रिपाठी, रिजवान अली खां, फूलमियां, मुईद, ऋषिपाल, अतुल मिश्रा,अहिवरन,इमरान, आदित्य कुमार, शोएब खां, इच्छाराम, माशूक अली, अजीत कुमार,सभासद प्रतिनिधि रमाकांत मौर्य,रचित गुप्ता, राकेश गुप्ता मंगू आदि मौजूद रहे।

अग्निशमन मानक के मुताबिक पदाधिकारी करे पंडाल का निर्माण - सीएफओ

अयोध्या। दुर्गा पूजा व राम लीला के साथ साथ दशहरा को शांति पूर्वक ढंग से सम्पन्न कराने में जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है।इन सभी पर्वों के बीच किसी भी तरह की बाध ा न उत्पन्न हो इसके लिए खुद जिलाधिकारी नितीश कुमार व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करण नैय्यर अपने कर्मियों के साथ पंडालों व राम लीला स्थल का निरीक्षण कर वहां के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे हैं।वही अग्निशमन विभाग भी रामलीला व दुर्गा पूजा कमेटी के पदाधिकारियों के साथ आपसी सामंजस्य स्थापित कर उन्हे पंपलेट आग से बचाव संबंधी आवश्यक जानकारी दे रहे हैं। इस संबंध में मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह ने बताया कि हर वर्ष की भांति अग्निशमन विभाग द्वारा इस वर्ष भी दुर्गा पूजा व राम लीला के साथ साथ दशहरा पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये कमेटी के पदाधिकारियों को पंडाल बनाते समय किस चीज का ध्यान रखा जाए उसे बताया जा रहा है।उन्होंने सभी दुर्गा पूजा व राम लीला कमेटी के पदाधि कारियों से अपील किया है कि पंडाल का निर्माण विद्युत लाइन के नीचे एवं ट्रान्सफार्मर के नजदीक न कतई न कराया जाय।विद्युत मेन लाइन से कनेक्शन नंगे तारों द्वारा न लिये जाय।विद्युत से सुरक्षा हेतु जरुरत के हिसाब से ही एमसीबी व ईएलसीबी का प्रयोग करें।वही दुर्गा पूजा पंडाल की ऊँचाई तीन मीटर से कम न हो। उन्होंने पदाधिकारियों से अपील किया अगर हो सके तो पंडाल बनाने में सिन्थेटिक रस्सी के स्थान पर नारियल रस्सी का प्रयोग करें।कोशिश यही रहे पण्डाल के चारों ओर फिक्स वाल नहीं होगी।पण्डाल में कम से कम दो निकास हो,जो 2.5 मीटर से कम चौड़ाई का नहीं होगा।बड़े पण्डाल में तीनो साइड ने निकास होगा।प्रवेश निकास मे किसी भी तरह का अवरोध ा न हो। मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह ने बताया कि पण्डाल के पास आतिशबाजी का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।किसी भी पण्डाल के अन्दर हाइलोजन बल्ब का प्रयोग न कर प्रकाश व्यवस्था हेतु एलईडी बल्ब का प्रयोग करें।पण्डाल में कोई भी गैस,पोर्टेबुल लाइट नहीं लटकायी जायेगी,बल्कि अलग से स्टैण्ड बनाया जाये।वायरिंगध्बल्बध्ट्यूब लाइट, सर्किट, पण्डाल के कपड़े पर्दे एवं ज्वलनशील वस्तुओं से कम से कम 15 सेमी की दूरी पर टेप लगी हो।विद्युत कनेक्शन के मेन स्विच बोर्ड के पास एक एबीसी फायर एक्सटिंग्यूशर व एक एबीसी फायर एक्सटीग्यूसरि पण्डाल के अन्दर होना आवश्यक है। इसके अलावा सभी छोटे बड़े पंडालों पर कम से कम 200 लीटर पानी ड्रम में हो दो बाल्टी व छः बोरी बालू अवश्य रखें।वही आपात काल में टेलीफोन नं0–101,112, 9454418709, 9454402648, 9454418708 पर तत्काल सूचना दें।जिससे समय रहते छोटी बड़ी घटनाओं पर काबू किया जा सके।

सीएसआईआर-सीडीआरआई ने कैंसर के इलाज हेतु नवीन थेरेपी विकसित करने के लिए बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप के साथ हाथ मिलाया

पारंपरिक औषधि अनुसंधान विशेषज्ञता के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का संयोजन, कैंसर के इलाज हेतु नई चिकित्सा विधि विकसित करने का मार्ग प्रशस्त करेगा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कृत्रिम बुद्धिमत्ता–आध ारित औषधि अनुसंधान में अग्रणी भारतीय स्टार्टअप कंपनी, श्रावती एआई टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड एवं सीएसआईआर–सीडीआरआई (केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान), लखनऊ ने कैंसर उपचार के लिए नए चिकित्सीय तकनीक विकसित करने के लिए एक रणनीतिक सहयोग की घोषणा की है।

इस सहयोग में श्रावती एआई, कैंसर रोधी गुणों वाले नवीन रासायनिक इकाइयों (अणुओं) (एनसीई) को डिजाइन करने में उनके द्वारा विकसित उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा कम्प्यूटेशनल टूल्स के द्वारा मदद करेगा तथा सीएसआईआर–सीडीआरआई लखनऊ इन नवीन रासायनिक इकाइयों (न्यू केमिकल एंटिटी या एनसीई) को संश्लेषित करके आवश्यकतानुसार इन विट्रो ध इन विवो टेस्ट्स के द्वारा इनका मूल्यांकन एवं पुष्टि करके इन भविष्यवाणियों को मान्य करेगा। दोनों संस्थाएं इस प्रकार चुने हुए सक्रिय यौगिकों (एनसीई) को परखने एवं अनुकूलित करने के बाद नवीन कैंसर रोधी प्रत्याशी दवा के तौर पर इनका चयन कर नैदानिक मूल्यांकन के लिए मिलकर काम करेंगी। श्रावती एआई के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक डॉ. किशन गुर्रम ने कहा, ष्कैंसर के लिए नई चिकित्साविधि (थेराप्युटिक्स) विकसित करने के लिए सीएसआईआर–सीडीआरआई, लखनऊ के साथ सहयोग करके हम बहुत उत्साहित हैं। उन्होने कहा हमारा मानना है कि ष्हमारी कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तकनीक को सीडीआरआई की क्षमताओं के साथ जोड़कर, इस दिशा में औषधि अनुसंध ान को और अधिक प्रभावी, सुरक्षित, तेज एवं कम लागत वाला बनाया सकता है।ष

ष्सीडीआरआई के पास कैंसर अनुसंध ान में गहन विशेषज्ञता है एवं औषधि अनुसंधान एवं विकास का एक प्रदर्शित ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। यह संस्थान, सीएसआईआर के पैन–कैंसर मिशन कार्यक्रम की नोडल लैब है, जिसका उद्देश्य ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट जैसे महत्वपूर्ण एवं अति महत्वपूर्ण कैंसर के इलाज के लिए दवाएं प्रदान करना है। सीएसआईआर–सीडीआरआई निदेशक डॉ. राधा रंगराजन ने कहा यह सहयोग पैन–कैंसर मिशन के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में मददगार साबित होगा। श्रावती एआई प्रौद्योगिकी के बारे में श्रावती एआई टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड बैंगलोर में स्थित एक भारतीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्टार्ट अप है। श्रावती एआई नवीन उन्नत फार्मा एवं रासायनिक उत्पादों को बनाने, खोजने और विकसित करने की दिशा में केंद्रित है। श्रावती एआई सबसे कठिन समस्याओं को हल करने के लिए नवीन एआई तकनीक के साथ मानव मस्तिष्क और डोमेन विशेषज्ञता की प्रतिभा को जोड़कर हाइब्रिड इंटेलिजेंस का उपयोग करती है। श्रावती ने अपने स्वयम के इन–हाउस एआई एल्गोरिदम विकसित किये हैं जो विशाल एवं अब तक न खोजे गए अणुओं एवं रासायनिक प्रक्रियाओं के भंडार के बारे में भी सटीक भविष्यवाणी कर सकने में सक्षम है। श्रावती एआई के बारे में अधि क जानकारी www-sravthi-ai पर पाई जा सकती है। सीएसआईआर–सीडीआरआई के बारे में सीएसआईआर– सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएसआईआर–सीडीआरआई), भारत का एक प्रमुख औषधि अनुसंधान संस्थान है जो भारत की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दवाओं, निदान और प्रक्रिया प्रौद्योगिकियों की खोज एवं विकास पर ध्यान केंद्रित करता है। संस्थान ने बेंच से लेकर बाजार तक 13 दवाएं विकसित की हैं और 80 से अधिक प्रक्रिया प्रौद्योगिकियों को दवा कंपनियों को हस्तांतरित किया है। यह संस्थान रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, फार्माकोलॉजी, फार्माकोकाइनेटिक्स और टॉक्सिकोलॉजी में एंड–टू–एंड क्षमताओं के साथ दवा खोज के लिए एक एकीकृ त केंद्र के रूप में है। सीडीआरआई के बारे में अधिक जानकारी www-cdri-res-पद पर पाई जा सकती है।

मतदाता जागरण संस्थान द्वारा पत्रकार, साहित्यकार एवं समाजसेवी सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मतदाता जागरण संस्थान के द्वारा यू पी प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में देश विदेश के प्रख्यात शायर जोश मलिहाबादी की स्मृति में पत्रकारों, साहित्यकारों तथा समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि व कार्यक्रम के अध्यक्ष सऊदी अरब के शेखध अब्दुल्ल रहमान तथा मतदाता जागरण संस्थान के अध्यक्ष शेख सिराज बाबा ने प्रिन्ट मीडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष पत्रकार अजीज सिद्दीकी, महामंत्री अब्दुल वहीद, एन आलम, जमील मलिक तथा तनवीर सिद्दीकी को ष्मीडिया जोश सम्मानष दिया गया तो लेखक व साहित्यकार डॉ सुल्तान शाकिर हाशमी, लेखक व पत्रकार परवेज अख्तर तथा सम्पादक एवं लेखक कमरुलहुदा को ष्कलम रत्न अवार्डष से नवाजा गया। साथ ही समाज के वरिष्ठ समाजसेवियों में पहचान रखने वाले काशान ए वारिस के संरक्षक अरशद मुर्तजा वारसी, महासचिव मोहम्मद इमरान, वैदेही फाउण्डेशन की अध यक्ष डॉ रूबी राज सिन्हा, प्रख्यात डॉ आदर्श त्रिपाठी, श्रद्धा त्रिपाठी, आशा फाउण्डेशन की संस्थापक अध्यक्ष आशा सिंह, मानवाधिकार जनसेवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा, कृषि विभाग के पूर्व डायरेक्टर डॉ एस के सिंह, डॉ इस्मत खान, तारिक दुर्रानी तथा गुल राणा को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ शेख सिराज बाबा ने कहा कि कई बड़े मुद्दों के साथ एक मुद्दा गौ माता को भी बना दिया जाता है, मिली जुली प्रतिक्रिया से इस पर राजनीति हो जाती है, तो मेरा मानना है कि गाय यकीनन माता है तो उसे राष्ट्रीय जीव घोषित किया जाना चाहिए तथा छोटे बड़े हर पैमाने पर स्लाटर हाउस बन्द होने चाहिए जहां लाइसेंस की आड़ में इनकी हत्या की जाती है। इनके निर्यात पर पूर्णता बन्दी हो होनी चाहिए। हमारी संस्था इस बात पर जोर देती है कि पशु यानि जानवर और अगर हम गौ माता कहते हैं तो पशु यानि जानवर कैसे कह सकते हैं? इसलिए हमारी सरकार से मांग है कि गाय को राष्ट्रीय जीव घोषित कराना चाह रहे हैं तथा साथ ही गाय की सुरक्षा भी चाह रहे हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि काशान ए वारिस के अध्यक्ष अरशद मुर्तजा वारसी, उर्दू अकादमी के पूर्व अध्यक्ष डॉ इस्मत खान, कृषि विभाग के पूर्व डायरेक्टर डॉ एस के सिंह, साहित्यकार डॉ सुल्तान शाकिर हाशमी, प्रिंट मीडिया वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीज सिद्दीकी, मान्यता प्राप्त पत्रकार के महामंत्री अब्दुल वहीद रहे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मोहम्मद इमरान, परवेज अख्तर, कमरुलहुदा रहे। मतदाता जागरण संस्थान के राष्ट्रीय सलाहकार स्वामी सर्वेश साईं, राष्ट्रीय महामंत्री मजहर अली सिद्दीकी, जिला सचिव आमरीन खान का कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग रहा। कार्यक्रम का मंच संचालन अतहर काजमी ने किया। कार्यक्रम के अन्त में शेख सिराज बाबा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए सबको धन्यवाद ज्ञापित किया।

नगर विकास मंत्री ने महाकुंभ 2025 के लिए किए जा रहे कार्यो की समीक्षा की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2013 के बाद 12 वर्षों में लगने वाले प्रयागराज महाकुम्भ 2025 को दिव्य और भव्य रूप से बेहतर सुविधाओं और व्यवस्था के साथ मनाया जायेगा। महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानियों का समाना नहीं करना पड़ेगा। इसके लिए प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में अभी से युद्धस्तर पर कार्य करा रहीं और सड़क,पुल,बिजली, मेला क्षेत्र के विस्तारीकरण, व्यवस्थापन के 02 हजार करोड़ रूपए से अधिक के प्रोजेक्ट धरातल पर आ चुके हैं।

प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने सोमवर को जल निगम हॉस्टल श्संगमश, लखनऊ से महाकुम्भ 2025 के लिए की जा रही तैयारियों को लेकर आयुक्त प्रयागराज, सम्बन्धित विभागों और एजेंसियों के अधिकारियों के साथ कार्यों की वर्चुअल समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सभी सम्बन्धित विभागों और कार्यदायी एजेंसियों को आपस में समन्वय बनाकर युद्धस्तर पर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि बेहतर मैनेजमेंट के साथ किसी भी कार्य को व्यवस्थित ढंग से और स्थायी रूप से किया जाए। स्थानीय

लोगों और जनप्रतिनिधियों के सुझाओं पर भी ध्यान दें, जिससे आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या न हो।

नगर विकास मंत्री ने लगभग 3738 करोड रुपए की लागत से विभिन्न विभागों द्वारा अब तक अनुमोदित 260 परियोजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को प्रगति कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग करने मूलभूत सुविधाओं के साथ पेयजल, शौचालय, विद्युत आपूर्ति, पार्किंग आदि की सुचार व्यवस्था करने, सड़कों व चौराहा से अतिक्रमण हटाने के साथ इनका चौड़ीकरण और सुंदरीकरण के कार्यों में गति लाने को कहा। इस बार महाकुंभ 13 जनवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक 45 दिन चलेगा। इस दौरान मेला में 06 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। 40 लाख श्रद्धालु शाही स्नानों में आ सकते हैं। 40 लाख कल्पवासी हो सकते हैं। लाखों करोड़ों आगंतुकों के लिए पर्याप्त व्यवस्था करनी होगी। स्वच्छ मेला के लिए स्वच्छाग्रहीयो की पर्याप्त उपलब्धता हो। डिजिटल म्यूजियम बनाए जाएं, आई ट्रिपल सी, आईटी और ड्रोन से मेला क्षेत्र की निगरानी के लिए अभी से व्यवस्था कर ली जाए। सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहनी चाहिए। इन सभी कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई व शिथिलता न होने पाए। मेला क्षेत्र में रोप–वे,पीपा पुल, आरओबी, पुलों आदि के निर्माण कार्य को समय से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि वीआईपी के साथ सामान्य श्रद्धालुओं के ठहरने की भी पर्याप्त व्यवस्था की जाए। कहीं पर भी अव्यवस्था न हो, इसके लिए सभी बॉटलनेक कार्यों को चिन्हित कर उसे समय से पूरा कराए।

नगर विकास मंत्री ने कहा कि महाकुम्भ की तैयारियों में किसी भी प्रकार की कमी न होने देने तथा स्थनीयवासियों और जनप्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित कर उनके सुझाओं पर अन्य किसी भी प्रकार के कार्यों को कराने की जरूरत हो, तो उसका प्रस्ताव भी शासन में अनुमोदन हेतु प्रेषित किया जाए।

महाकुम्भ मेलाधिकारी विजय किरन आनन्द ने महाकुम्भ 2025 के लिए अब तक की गयी तैयारियों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महाकुम्भ 2025 में पिछले कुम्भ के सापेक्ष अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है अतः मेला क्षेत्र को 04 हजार हे0 क्षेत्रफल में व 25 सेक्टरों में बसाया जाएगा तथा लगभग 1800 हे0 में पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी।

गहरी कूटनीति से लंका का राजा बना रावण

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। गहरी कूटनीतिक चालें चलकर रावण लंका का राजा बन बैठा और उसने राजा बनते ही अपने सैनिकों से सभी देवताओं को बन्दी बनवा लिया, उसने जहां बंदी बने काल को अपनी खटिया की पाटी से बंधवा दिया, वहीं सूर्य, चंद्र, शनि, पवन आदि देवताओं को रावण ने नौकर बनाकर अपनी चाकरी में लगा दिया। उधर राजा दशरथ ने अपनी प्रजा का हाल अपने सैनिकों और सहचरों से जानने के उपरांत कहा कि राजा से प्रजा और प्रजा से राजा का अस्तित्व है, राजा को न्यायी होना चाहिए, उन्होंने अपने कोई पुत्र न होने का दुख व्यक्त किया और कहा कि निसंतान होने के कारण उन्हें निर्वंशिया कहा जाता तो है इसलिए शीघ्रातिशीघ्र पुत्र प्राप्ति का कुछ जतन जरूरी है। अंततः बालकृष्ण संस्थान वृंदावन के कलाकारों द्वारा सफल मंचनकर काफी बटोरी गई।

मेला मैदान में ही फेना कंपनी द्वारा बेंचे गए कूपन का लकी ड्रा कार्यक्रम भी चालू है। रामलीला मेला मंचन के दौरान लगातार अपनी भूमिका का निर्वाहन करने वाले सहयोगीगणों में अध्यक्ष संजय मिश्रा बबलू समेत, अनमोल गुप्ता, मधुप मिश्रा, ऋषि मिश्रा, आशीष मोहन तिवारी, अरुण श्रीवास्तव, रमाकांत मिश्रा, मानू मिश्रा, संजू पंडित, आशी मिश्रा, आदि सराहनीय है।

देश व विदेश में अपने स्वाद का परचम लहराने वाला टी ब्रांड, टीलॉजी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अपनी तेजी से बढ़ती हुई लोकप्रियता के साथ अब नवाबों के शहर लखनऊ में भी अपनी नई शाखा का उद्घाटन करने जा रहा हैं। बता दें कि टीलॉजी ने अब तक 100 से अधिक शहरों में 250 से ज्यादा आउटलेट्स खोले हैं।

टीलॉजी के सफर कि शुरूआत सन् 2018 में संस्थापक अजय पाटिदार और शुभम पाटिदार के द्वारा की गई थी। जो ना केवल आज अपने बिजनेस के लिए जाने जाते हैं बल्कि अपने मिलनसार स्वभाव और आगे बढ़ते रहने वाले इरादों के साथ दूसरों को भी प्रोत्साहित करते हैं। आज वो नवयुवकों के चहीते हैं और 5–6 साल में युवाओं के बीच काफी प्रचलित कैफे ब्रांड के रूप में अपनी पहचान बना ली है।

मुंबई, दिल्ली, बैंगलोर जैसे कुछ महत्वपूर्ण शहरों के साथ–साथ, टीलॉजी की आउटलेट्स अब अंतरराष्ट्रीय पोर्ट ब्लेयर हवाई अड्डे में भी शुरू होने वाले हैं। यहां पर आपको चाय के कई लाजवाब स्वादों के साथ–साथ, स्नैक्स के भी काफी विकल्प मिलते हैं। टीलॉजी की सुविधाओं के साथ–साथ, इसका एम्बियंस भी मन को मोह लेने वाला है। टीलॉजी की स्वादिष्ट चाय व उसे कुल्हड़ में परोसने का अंदाज काफी अनोखा हैं और लोगों को आकर्षित करता हैं। कुल्हड़ में चाय परोसने के कारण टीलॉजी की चाय में एक अनोखी गंधकी महक भी महसूस होती है जो चाय का स्वाद और खुशबू बढ़ाती है। युवाओं का समूह कैफे में अकसर अपने दोस्तों के साथ अच्छा वक्त बिताने और स्वादभरी चाय का आनंद लेने आते हैं।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।